SA-05

December - Examination 2019

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'आश्रममृगोऽयं न हन्तव्यो' यह वाक्य किसने किससे कहा था?

(ii) महर्षि दुर्वासा ने शकुन्तला को क्या शाप दिया था?

(iii) पतिगृह को गमन करती शकुन्तला के वस्त्र को किसने खींचा था?

(iv) महर्षि कण्व के आश्रम से शकुन्तला के साथ हस्तिनापुर कौन कौन गये थे?

(v) 'चयनीयम्' में धातु व प्रत्यय का उल्लेख करें।

(vi) 'गमनम्' में प्रकृति व प्रत्यय का उललेख करें।

(vii) 'शैवः' में विहित पद व प्रत्यय का नाम लिखें।

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या करें।

अनाघ्रातं पुष्पं किसलयमलूनं कररुहै–
रनाविद्धं रत्नं मधु नवमनास्वादितरसम्।
अखण्डं पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनघं
न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः।।

अथवा

यदि यथा वदति क्षितिपस्तथा,
त्वमसि किं पितुरुत्कुलया त्वया।
अथ तु वेत्सि शुचि व्रतमात्मनः,
पतिकुले तव दास्यामि क्षमम्।।

3) किसी एक सूक्ति का आशय ससन्दर्भ स्पष्ट कीजिए।

(i) अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरी भवति सौहृदम्।

(ii) सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।

4) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की रस योजना पर एक संक्षिप्त आलेख लिखें।

5) 'तत्ररम्याशकुन्तला' सूक्ति के अनुसार अभिज्ञानशाकुन्तलम् के साहित्यिक वैशिष्ट्य को रेखाङ्कित कीजिए।

6) श्लोक की संस्कृत व्याख्या कीजिए–

एषापि प्रियेण विना गमयतिरजनीं विषाददीर्घतम्
गुर्वीय विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति

अथवा

शममेष्यति मम शोकः कथं नु वत्से त्वयारचितपूर्वम्
उटजद्वारविरूढं नीवारबलिं विलोकयतः

7) निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण सिद्धि करें।

(i) अचोयत्
(ii) ॠहलोःण्यत्
(iii) तिङ् शिव् सार्वधातुकम्
(iv) अतो दीर्घो यञि
(v) तत्र जातः तत्र भव

8) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि करें।

(i) धनवान्
(ii) पटीयानः
(iii) कारकः
(iv) पठनीयम्

9) निम्नांकित धातुरूपों में से किन्हीं दो धातु रूपों की ससूत्र सिद्धि करें।

(i) भवति
(ii) अभवः
(iii) भविष्यावः
(iv) भवन्तु

खण्ड – स **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में प्रकृति चित्रण' विषय पर विस्तृत लेख लिखें।

11) 'तत्रापि चतुर्थोऽङ्कः' सूक्ति के परिप्रेक्ष्य में अभिज्ञानशाकुन्तलम् नामक नाटक के चतुर्थ अंक की समीक्षा कीजिए।

12) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि करें।
   (i) अतिशायने तमविष्ठनौ
   (ii) तव्यत्तव्यानीयरौ
   (iii) युवोरनाकौ
   (iv) आर्धधातुकास्येट्वलादेः

13) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर महर्षि कण्व का चरित्र चित्रण कीजिए।